

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, हनुमानगढ  
पीठासीन अधिकारी, करतार सिंह पूनियाँ आर.ए.एस.

2019/00236 (236/2019)

गुरमन्दर सिंह पुत्र श्री कौर सिंह जाति जट सिख निवासी रासुवाला तहसील संगरिया जिला  
हनुमानगढ। -अपीलाण्ट

बनाम

1. सिकन्दर सिंह पुत्र श्री कौर सिंह जाति जटसिख निवासी रासूवाला तहसील संगरिया  
जिला हनुमानगढ।
2. तहसीलदार (राजस्व) संगरिया तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ।  
-असल रेस्पोजेण्ट
3. जलन्धर सिंह पुत्र श्री कौर सिंह जाति जटसिख निवासी रासुवाला तहसील संगरिया  
जिला हनुमानगढ। -तरतीबी रेस्पोजेण्ट

अपील अन्तर्गत धारा 225 राज0 काश्तकारी अधिनियम

विरुद्ध आदेश दिनांक 29.11.2019 द्वारा सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, संगरिया

अनवान सिकन्दर सिंह बनाम गुरमन्दर सिंह आदि प्र0 सं0 75/2018

श्री वतनदीप सिंह मान अधिवक्ता अपीलाण्ट

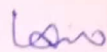
श्री खुशप्रीत सिंह अधिवक्ता रेस्पोजेण्ट सं0 1

श्री रविद्र भोभिया अधिवक्ता रेस्पोजेण्ट सं0 2

निर्णय

दिनांक:- 12.03.21

1. प्रकरण में संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि अधीनस्थ न्यायालय में रेस्पोजेण्ट सं0 1 ने राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 "ए" के अन्तर्गत एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया। प्रार्थना-पत्र द्वारा अपनी कृषि भूमि में आवागमन हेतु अप्रार्थी/अपीलाण्ट की कृषि भूमि चक 9 पी.टी.पी. पत्थर नं. 126/129 मु0 नं0 14 किला न. 1 में पूर्व से पश्चिम पत्थर लाईन के साथ साथ 2 बिस्वा रास्ता स्वीकृत करने का अनुतोष मांगा। अप्रार्थी ने प्रार्थना-पत्र

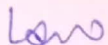


राजस्व अपील प्राधिकारी  
हनुमानगढ



का विरोध करते हुए कथन किया क प्रार्थी के पास अपनी भूमि में आवागमन हेतु प. नं. 126/128 के किला नं. 21 व 22 में से आवागमन कर सकता है। प्रार्थना-पत्र खारिज करने का कथन किया। अधीनस्थ न्यायालय ने प्रार्थना-पत्र स्वीकार करते हुए प्रश्नगत रास्ता स्वीकार किया जिससे व्यथित होकर अपीलान्ट ने यह अपील प्रस्तुत की है।

2. विद्वान अधिवक्ता अपीलान्ट ने अपनी बहस में कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि विरुद्ध, गलत तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के विपरीत है। तहसीलदार संगरिया ने स्वयं मौका पर जाकर जांच रिपोर्ट तैयार नहीं की। रेस्पोंडेंट चक 9 पीटीपी के पत्थर नं. 126/128 मुरब्बा नम्बर 14 के किला नं. 21 व 22 में से होकर आवागमन करता है। अपीलान्ट के पास अपनी भूमि में आवागमन हेतु पूर्व में ही रास्ता है तो वह नये रास्ते की मांग नहीं कर सकता है। रास्ते की उपलब्धता को अनदेखा किया गया है। प्रश्नगत मौका रिपोर्ट भी एकपक्षीय बनाई गई है। दोनों पक्षों की उपस्थिति में मौका रिपोर्ट बनानी चाहिए थी जो नहीं बनाई गई है। अतः अपील अपीलान्ट स्वीकार की जावे और अधीनस्थ न्यायालय का आदेश निरस्त किया जावे।
3. विद्वान अधिवक्ता रेस्पोंडेंट ने अपनी बहस में कथन किया कि रेस्पोंडेंट के पास अपनी भूमि में आवागमन हेतु रास्ता नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय ने मौका रिपोर्ट के आधार पर रास्ता स्वीकार किया है। रास्ते में आई भूमि के बदले में अपीलान्ट को डी.एल.सी. दर की दोगुणा राशि जमा करवाने के आदेश दिये गये हैं। अधीनस्थ न्यायालय का आदेश विधि सम्मत है। अपील अपीलान्ट खारिज की जावे।
4. उभयपक्ष की बहस पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया।
5. अधीनस्थ न्यायालय ने चक 9 पीटीपी के प. नं. 126/129 (14) किला नं. 1 में पूर्व से पश्चिम पत्थर लाईन के साथ साथ 2 बिस्वा रास्ता स्वीकृत किया है तथा रास्ता में आई भूमि के बदले में डीएलसी दर से दोगुणा राशि तहसील में जमा करवाने के आदेश दिये हैं। अपीलान्ट का कथन है कि रेस्पोंडेंट के पास अपनी भूमि में आवागमन हेतु वैकल्पिक रास्ता है, जिससे वह आना जाना करता है। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली में आईएलआर द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट दिनांक 12.06.2018 उपलब्ध है जिसे तहसीलदार द्वारा अपने पत्र द्वारा प्रेषित किया गया है जिसमें रिपोर्ट में प्रार्थी को रास्ते की आवश्यकता होना दर्शाया है। तहसीलदार ने रिपोर्ट में चक 9 पीटीपी प. नं. 126/128 मु0 नं. 14 के किला नं. 1 में रास्ता स्वीकृत किये जाने की अनुशंसा की है। उक्त तथ्यों के विपरीत अपीलान्ट ने अपील

  
राजस्व अपील प्राधिकारी  
हनुमानगढ़

में ऐसा कोई साक्ष्य पेश नहीं किया है जिसके आधार पर अधीनस्थ न्यायालय के अपीलाधीन आदेश में किसी प्रकार का हस्तक्षेप किया जाना अपेक्षित हो। अतः अपील अपीलाण्ट खारिज की जाती है एवं अधीनस्थ न्यायालय का अपीलाधीन आदेश दिनांक 29.11.2019 यथावत रखा जाता है। अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख निर्णय की प्रमाणित प्रति सहित लौटाया जावे। पत्रावली निर्णित शुमार व नम्बर से कम कर दाखिल दफ्तर हो।

6. निर्णय आज दिनांक 12.03.21 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



*Asht*  
12/3/21  
(करतार सिंह पूनिया)  
आर.ए.एस.  
राजस्व अपील प्राधिकारी,  
हनुमानगढ़।